ओ मनमोहन कृष्ण कन्हैया हाथ छुड़ा के कहाँ चले

ओ मनमोहन कृष्ण कन्हैया,
हाथ छुड़ा के कहाँ चले।bd।

बंसी बजाके रास रचाकर,
गोपी नचा के कहाँ चले,
ओ मन मोहन कृष्ण कन्हैया,
हाथ छुड़ा के कहाँ चले।bd।

माखन खाया मटकी फोड़ी,
छुपते छुपाते कहाँ चले,
ओ मन मोहन कृष्ण कन्हैया,
हाथ छुड़ा के कहाँ चले।bd।

भरी सभा मे द्रुपदसुता का,
चीर बढ़ा के कहाँ चले,
ओ मन मोहन कृष्ण कन्हैया,
हाथ छुड़ा के कहाँ चले।bd।

गाय चराई वंशी बजाई,
ग्वाल सखा संग कहाँ चले,
ओ मन मोहन कृष्ण कन्हैया,
हाथ छुड़ा के कहाँ चले।bd।

यमुना में जा गेंद उछाली,
नाग नथैया कहाँ चले,
ओ मन मोहन कृष्ण कन्हैया,
हाथ छुड़ा के कहाँ चले।bd।

अर्जुन का सब मोह मिटाके,
गीता गाके कहाँ चले,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ओ मन मोहन कृष्ण कन्हैया,
हाथ छुड़ा के कहाँ चले।**lbd।**

तुम्हर पुकारे हम सब 'राजेन्द्र',
विश्व रूप तुम कहाँ चले,
ओ मन मोहन कृष्ण कन्हैया,
हाथ छुड़ा के कहाँ चले।**lbd।**

ओ मनमोहन कृष्ण कन्हैया,
हाथ छुड़ा के कहाँ चले।**lbd।**

गीतकार/गायक – राजेंद्र प्रसाद सोनी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com